3:30 4G 0.00 KB/S Vo LTE1 46
12.Amita sharir...

शब्द–ब्रह्म
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका
E ISSN 2320 – 0871
17 दिसंबर 2017
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

शरीर बनावट के आधार पर व्यक्तित्व की नवीन संकल्पनाएँ
(विलियम एच. शेल्डन के सन्दर्भ में)

डॉ. अमिता जैन
सहायक प्राध्यापक (शिक्षा संकाय)
जैन विश्व भारती संस्थान
लाडनूं, राजस्थान, भारत

आधुनिक व्यक्तित्व सिद्धान्तों में जिन मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तित्व के जैविक पक्ष पर पर्याप्त प्रकाश डाला है, उनमें विलियम एच. शेल्डन का विशेष स्थान है। उन्होंने शरीर की बनावट के आधार पर व्यक्तित्व के प्रकारों का जो निरूपण किया है, वह उनकी महत्त्वपूर्ण देन है। शेल्डन ने गहन अध्ययन के पश्चात् व्यक्ति के शरीर की बनावट का वर्णन किया है, वह वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है। इन्होंने मनोविज्ञान तथा चिकित्सा शास्त्र पर मानव

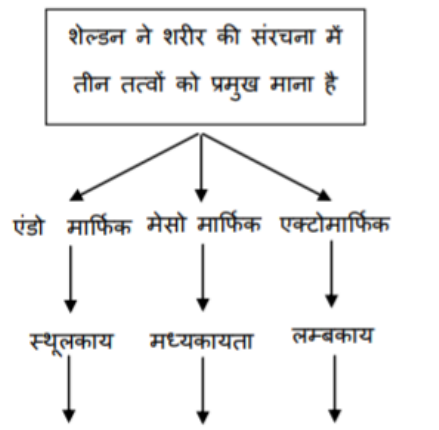

व्यक्तित्व संबंधों की जो नवीन संकल्पनाएँ उपस्थित की, वे अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है।

(अ) अन्तरंग प्रधान व्यक्तित्व

शेल्डन एवं उनके सहयोगी (1942) ने मानव स्वभाव के विभिन्न स्वरूपों के संबंध में एक अध्ययन का प्रकाशन ग्रन्थ रूप में किया। इसके आधार पर बिस्काफ ने स्थूलकाय अथवा अन्तरंग प्रधान व्यक्तित्व की कतिपय विशेषताओं का उल्लेख किया।

1. चाल-ढाल में शिथिलता - अन्तरंग प्रधान व्यक्ति अत्यन्त शिथिल एवं लापरवाह होता है। प्रत्येक कार्य ढ़ीले-ढाले तरीके से करता है। तत्परता का उसमें अभाव पाया जाता है। अधिकतर वह शिथिल ढंग से बैठे रहना पसन्द करता है।

2. आराम प्रिय - अन्तरंग प्रधान व्यक्तित्व वाले व्यक्ति अधिक से अधिक आराम पसन्द होते हैं। प्रायः किसी के सहारे से बैठते है और शारीरिक कष्ट से बचने की प्रवृत्ति उनमें पाई जाती है।

3. मन्द प्रतिक्रिया - ये व्यक्ति प्रत्येक कार्य में देर करते हैं। किसी के जगाये बिना उठते नहीं। अधिकतर वे अपने कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर रहते हैं। चुस्ती-फुर्ती का उनमें अभाव रहता है।

4. भोजन प्रिय - ये व्यक्ति खाने-पीने के शौकीन होते हैं। अच्छा खाना, विविध प्रकार के व्यंजन